RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 351
दि. 24.04.2026, शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'योगी जी मुख्यमंत्री हैं, उनके नेतृत्व में सरकार चल रही है। ऐसे में हम निश्चित रूप से 27 में वही चेहरा होंगे।' - नितिन नवीन

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की सरगर्मी शुरू हो चुकी है। समाजवादी पार्टी ने पश्चिमी यूपी के दादरी से 'मिशन-2027' का आगाज किया, तो बीजेपी ने भी अपना प्लान साफ कर दिया। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने साफ शब्दों में ऐलान कर दिया कि 2027 के चुनाव में पार्टी का चेहरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही होंगे।

एक मीडिया चैनल को दिए गए इंटरव्यू में नितिन नवीन ने कहा, 'योगी जी मुख्यमंत्री हैं, उनके नेतृत्व में सरकार चल रही है। ऐसे में हम निश्चित रूप से वही चेहरा होंगे।' उत्तराखंड (व३३१ल्ला) के बारे में पूछे जाने पर भी उन्होंने सीएम पुष्कर सिंह धामी को पार्टी का चेहरा बताया। यह बयान बीजेपी की तरफ से 2027 के लिए सबसे स्पष्ट संकेत हैं कि योगी के नाम पर चुनाव लड़कर सत्ता की हैट्रिक लगाने का लक्ष्य।

नितिन नवीन ने इंटरव्यू में यूपी की बदलती तस्वीर को खूब सराहा। उन्होंने कहा कि पहले यूपी को 'वसूली और अपराध' के लिए जाना जाता था, लेकिन आज यह 'बेहतर कानून व्यवस्था और एक्सप्रेसवे' के लिए चर्चा में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी की जोड़ी को श्रेय देते हुए उन्होंने यूपी को 'उत्तम प्रदेश' बनाने की प्रक्रिया का जिक्र किया।

नवीन ने जोर दिया कि अच्छा शासन (गुड गवर्नेंस), विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश और गरीब कल्याण योजनाओं का जमीन तक पहुंचना, ये सब आम जनता को वोट देने का कारण बनते हैं। उन्होंने योगी आदित्यनाथ की 'लॉ एंड ऑर्डर' को यूपी की सबसे बड़ी वरढ बताया और कहा कि आज कई शहर विकसित नजर आ रहे हैं। 'ये सब चीजें हमारे लिए तीसरी सरकार बनाने और हैट्रिक लगाने के लिए काफी हैं', नितिन नवीन का यह वाक्य बीजेपी की आत्मविश्वास से भरी रणनीति को दिखाता है।

2017 में जब बीजेपी 15 साल बाद सत्ता में लौटी थी, तब पार्टी ने किसी नेता को सीएम फेस घोषित नहीं किया था। केशव प्रसाद मौर्य प्रदेश अध्यक्ष थे और अमित शाह राष्ट्रीय अध्यक्ष। पीएम मोदी के नाम और काम पर चुनाव लड़ा गया। प्रचंड बहुमत के बाद योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया गया। उस वक्त योगी ने हिंदुत्व के साथ-साथ कानून व्यवस्था की मजबूत बुनियाद रखी। 2022 के चुनाव में बीजेपी की सीटें थोड़ी कम हुईं, लेकिन बहुमत बना रहा। उस समय चुनाव से पहले सीएम पद को लेकर कशमकश थी, फिर भी योगी को दूसरी बार मौका मिला। अब 2027 में बीजेपी ने सस्पेंस खत्म कर

दिया। पहले ही सीएम चेहरा घोषित करके पार्टी ने साफ संदेश दिया कि योगी के नेतृत्व में लगातार तीसरा टर्म।

यह रणनीति दो बड़े फायदे दे सकती है:- कार्यकर्ताओं और वोटरों में स्पष्टता और उत्साह। विपक्ष को पहले से ही मुकाबले का अंदाजा।

यूपी का बदलाव: बीजेपी क्या दावे कर रही है? अपराध और वसूली से मुक्ति, मजबूत लॉ एंड ऑर्डर। तेज विकास। गरीब कल्याण योजनाओं (जैसे पीएम अन्न योजना) का नीचे तक पहुंच। बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना। जाति के आधार पर भ्रम फैलाने की राजनीति की जगह विकास की राजनीति।

बीजेपी का मानना है कि आम आदमी इन ठोस कामों को देखकर वोट देता है। योगी की सरकार ने यूपी को 'बिमारू' राज्य की छवि से निकालकर विकास के नए आयाम दिए हैं, यही पार्टी का मुख्य चुनावी नैरेटिव है।

सियासी मायने: हैट्रिक की राह कितनी आसान? नितिन नवीन का बयान कई संकेत देता है: पार्टी में एकजुटता: राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्तर पर योगी को समर्थन देकर बीजेपी ने अंदरूनी कलह की किसी भी अफवाह पर विराम लगा दिया।

विपक्ष पर दबाव: सपा-कांग्रेस गठबंधन अभी से मिशन-2027 की तैयारी में है, लेकिन बीजेपी ने पहले ही अपना चेहरा क्लियर कर दिया।

उत्तराखंड का मैसेज: धामी को भी चेहरा बताकर बीजेपी ने हिमालयी राज्य में भी स्थिरता का संदेश दिया।

2027 की चुनौती: यूपी में 403 सीटों का विशाल मैदान। पिछले दो चुनावों में मिले बहुमत को बरकरार रखना और बढ़ाना बीजेपी के लिए बड़ी परीक्षा होगी। विपक्ष इस बयान को 'अति आत्मविश्वास' बता सकता है, लेकिन बीजेपी इसे 'जनता के बीच किए गए काम का नतीजा' मान रही है। नितिन नवीन के बयान के बाद अब बीजेपी का फोकस बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने, विकास कार्यों को और तेज करने और विपक्ष की 'जाति-धर्म' की राजनीति का मुकाबला 'विकास और सुशासन' से करने पर होगा।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे ार दो दिनों तक रहेगा ट्रैफिक ब्लॉक, यात्रा से पहले जांच लें वैकल्पिक मार्ग

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर दो दिनों तक आवाजाही बाधित रहेगी। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (टरफ्ळ) लोनावाला के पास डोंगरगांव और कुसगांव के बीच एक पुल पर शटरिंग हटाने और पेंटिंग का काम कर रहा है। यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने और महत्वपूर्ण देरी के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है। दो महीने पहले, रायगढ़ के खंडाला घाट में एक गैस टैंकर पलटने के बाद मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर वाहनों को भीषण जाम का सामना करना पड़ा था।

बारामती उपचुनाव के बीच रोहित पवार के बयान ने मचाई हलचल, युगेंद्र पवार ने दिया सख्त जवाब

(जीएनएस)।

बारामती में उप-चुनाव के लिए वोटिंग चल रही है। दिवंगत नेता अजित पवार के निधन के बाद खाली हुई इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। बारामती वासियों की नजरें सुनेत्रा पवार और युगेंद्र पवार पर टिकी हैं।

चाचा शरद पवार से अजित पवार की बगावत के बाद पिछले कई चुनावों में एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोकने वाला पवार बारामती उपचुनाव में भले ही सुनेत्रा पवार के प्रचार के लिए एकजुट हुआ है, लेकिन पार्टी में मौजूद मतभेद और भविष्य की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं 'चाचा-भतीजे' के बीच एक और संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। ऐसे में, यह अस्थायी 'पारिवारिक एकजुटता' 2029 तक कायम रहेगी या नहीं, यही मुख्य प्रश्न है।

वहीं बारामती उपचुनाव में पूरा पवार परिवार भले ही सुनेत्रा पवार के प्रचार के लिए एकजुट हुआ है, लेकिन पार्टी में मौजूद मतभेद और भविष्य की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं 'चाचा-भतीजे' के बीच एक और संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। ऐसे में, यह अस्थायी 'पारिवारिक एकजुटता' 2029 तक कायम रहेगी या नहीं, यही मुख्य प्रश्न है।

इसी बीच बारामती उपचुनाव के बीच शरद पवार के पोते और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने 2029 के चुनावों में एक बार फिर 'पवार बनाम पवार' मुकाबले की संभावना जताई है। उनके अनुसार, अगला विधानसभा चुनाव जय पवार और युगेंद्र पवार के बीच सीधा मुकाबला हो सकता है। हालांकि, युगेंद्र पवार ने रोहित पवार के इस बयान को सिरे से खारिज करते हुए अपना रुख स्पष्ट किया है।'

बंगाल में 91% रिकॉर्ड मतदान टीएमसी या भाजपा किसके पक्ष में? रहस्य ईवीएम में बंद, 4 मई को खुलेगा

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का पहला चरण खत्म हो चुका है, लेकिन असली चर्चा अब वोटिंग प्रतिशत को लेकर हो रही है। पहले चरण की वोटिंग खत्म होते ही जो आंकड़े सामने आए हैं, उसने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। 16 जिलों की 152 सीटों पर हुए इस मतदान में चुनाव आयोग के मुताबिक शाम 5 बजे तक ही 91.35 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि बंगाल के चुनावी इतिहास के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त करने की दिशा में बढ़ रहा है।

इस रिकॉर्ड वोटिंग ने राजनीतिक विश्लेषकों, दलों और चुनावी रणनीतिकारों को नया गणित सोचने पर मजबूर कर दिया है। सवाल यह है कि क्या इतनी भारी वोटिंग सत्ता परिवर्तन का संकेत देती है या फिर इसका फायदा मौजूदा सरकार को मिलता है। आखिर इस 'बंपर वोटिंग' का असली हकदार कौन है? क्या यह ममता बनर्जी के 'विकास' पर मुहर है या फिर परिवर्तन की वो आंधी, जिसका दावा बीजेपी लंबे समय से कर रही है?

बंगाल जैसे राज्य में, जहां चुनाव सिर्फ राजनीतिक मुकाबला नहीं बल्कि भावनात्मक और वैचारिक संघर्ष भी होता है, वहां रिकॉर्ड वोटिंग का मतलब हमेशा सीधा नहीं होता। इस खास रिपोर्ट में हम समझाएंगे कि इस भारी मतदान के पीछे का असली खेल क्या है।

पश्चिम बंगाल लंबे समय से हाई वोटिंग प्रतिशत वाले राज्यों में शामिल रहा है। यहां चुनावों में लोगों की भागीदारी आमतौर पर राष्ट्रीय औसत से काफी ज्यादा रहती है। लेकिन जब मतदान 90 प्रतिशत के आसपास पहुंच जाए, तो उसका राजनीतिक असर अलग तरीके से देखा जाता है।

पहले चरण में जिन 152 सीटों पर वोटिंग हुई, वहां 2021 विधानसभा चुनाव में करीब 83.17 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं 2016 में यह आंकड़ा लगभग 82.66 प्रतिशत था। यानी इस बार मतदान में उल्लेखनीय उछाल देखने को मिला है। 2016 में: इन्हीं सीटों पर लगभग 82.66% मतदान हुआ था। 2021 में: यह आंकड़ा बढ़कर 83.17% तक पहुंच गया था।

इन दोनों ही मौकों पर तृणमूल कांग्रेस (TMC) भारी बहुमत के साथ सत्ता में लौटी थी। आज जिन 152 सीटों पर वोटिंग हो रही है, वे उत्तर बंगाल के 16 जिलों और दक्षिण बंगाल के कुछ हिस्सों में फैली हुई हैं, जिनमें से ज्यादातर राज्य की राजधानी कोलकाता से दूर हैं। 2021 के चुनाव में 152 सीटों में से ळटउ ने 92 और इखढ ने 59 सीटें जीती थीं।

इस बार 91% का आंकड़ा छूना एक अलग ही कहानी बयां कर रहा है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि जब मतदान प्रतिशत में इतना बड़ा उछाल आता है, तो वह किसी न किसी 'लहर' का संकेत होता है। इस बार राज्य में लागू हुई SIR प्रक्रिया की वजह से कई फर्जी वोट कट गए हैं, ऐसे में वास्तविक वोटर्स की इतनी बड़ी भागीदारी और भी अहम हो जाती है।

जब वोटिंग प्रतिशत अचानक बढ़ता है, तो यह संकेत देता है कि मतदाता किसी मुद्दे पर बेहद सक्रिय हैं। यह सक्रियता बदलाव की चाह, किसी पार्टी के समर्थन, या स्थानीय नाराजगी की वजह से हो सकती है।

पश्चिम बंगाल में मतदान का प्रतिशत हमेशा से देश के औसत से काफी ऊपर रहा है। यहाँ की जनता राजनीतिक रूप से काफी जागरूक मानी जाती है। आइए देखते हैं कि आजादी के बाद से अब तक बंगाल में वोटिंग का ग्राफ कैसे बदला है: 1952: देश का पहला चुनाव, बंगाल में सिर्फ 42.23% वोटिंग हुई थी। 1977: वामपंथ (छी३ ऋ३ङ्ल्ल३) के उदय के समय यह आंकड़ा 70% के पार चला गया। 2006: बुद्धदेव भट्टाचार्य के दौर में वोटिंग 81% तक पहुंची। 2011 (ऐतिहासिक बदलाव): जब ममता बनर्जी ने 34 साल के वामपंथी किले को ढहाया, तब रिकॉर्ड 84.33% मतदान हुआ था।

यह पैटर्न बताता है कि जब भी बंगाल में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट होती है, वोटिंग का ग्राफ तेजी से ऊपर भागता है। 2011 का उदाहरण सबसे सटीक है, जहां बंपर वोटिंग ने वामपंथ की विदाई तय कर दी थी। क्या 2026 में भी इतिहास खुद को दोहराने जा रहा है?

2011 का उदाहरण क्यों बार-बार दिया जा रहा है? 2011 का चुनाव बंगाल की राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ माना जाता है। उस समय राज्य में लगभग 84 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था। उसी चुनाव में 34 साल पुरानी वामपंथी सरकार सत्ता से बाहर हुई और ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई।

इसी वजह से जब भी बंगाल में वोटिंग प्रतिशत बढ़ता है, राजनीतिक विश्लेषक 2011 के चुनाव की तुलना शुरू कर देते हैं। हालांकि हर चुनाव की परिस्थितियां अलग होती हैं। 2025 में भी विपक्ष दावा कर रहा है कि ज्यादा वोटिंग बदलाव का संकेत है, जबकि ळटउ इसे अपने समर्थन का प्रमाण बता रही है।

लखनऊ से 10वीं में अद्रिजा और आरोही सिंह ने किया टॉप, 600 में मिले 577 अंक

'खाना खाने तक होश नहीं रहता था', यूपी बोर्ड की टॉपर अंशिका की मम्मी ने खोले राज

लखनऊ , (जीएनएस)। हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में लखनऊ पब्लिक स्कूल राजाजीपुरम की छात्राओं अद्रिजा और आरोही सिंह ने 577 अंक हासिल कर जिला टॉपर बनने का गौरव पाया। विद्यालय में खुशी का माहौल है।

लखनऊ में यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा परिणाम घोषित होने पर लखनऊ पब्लिक स्कूल, राजाजीपुरम शाखा की छात्राओं अद्रिजा और आरोही सिंह ने शानदार सफलता हासिल की है। दोनों छात्राओं ने 600 में से 577 अंक प्राप्त कर जिला टॉपर बनने का गौरव हासिल किया।

उत्कृष्ट परिणाम आने पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। शिक्षकों और अभिभावकों ने छात्राओं को बधाई दी। छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, शिक्षकों के

मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग को दिया। स्कूल प्रबंधन ने भी दोनों मेधावी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं प्रतापगढ़ के सत्यम यादव ने 583 अंक पाकर प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया है. उनके 97.17 प्रतिशत अंक बन रहे हैं. सत्यम यादव के पिता समर यादव ईंट भट्टे पर मजदूरी करते हैं. सत्यम ने सेल्फ स्टडी कर ये कामयाबी पाई है. सत्यम यादव प्रतापगढ़ के बाबागंज ब्लाक के रायगढ़ रहने वाला है. छात्र सत्यम की सफलता से परिजनों में खुशी की लहर है. और झांसी के ग्राम पंचायत उल्दन के ऋषभ साहू ने हाईस्कूल परीक्षा में 97.33% अंक हासिल कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है. ऋषभ लॉर्ड कृष्णा पब्लिक हाई स्कूल के छात्र हैं. उनकी इस शानदार सफलता से परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है. ऋषभ ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है.

नहीं रहे भुजियारत्न शिव अग्रवाल 'बीकाजी', 8 वीं पास ने कैसे खड़ी की करोड़ों की कंपनी?

एक दुखद खबर बिजनेस जगत से हैं, बिकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड के चेयरमैन और 'भुजिया रत्न' के नाम से मशहूर शिव रतन अग्रवाल का गुरुवार सुबह चेन्नई में निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक 74 वर्षीय अग्रवाल ने बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली, हालांकि निधन का कारण अभी तक सपष्ट नहीं है।

कुमारगंज में भाजपा के सुभेंदु को किया लहूलुहान! आसनसोल में अग्निमित्रा की गाड़ी पर हमला

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान हिंसा की आग और तेज हो गई है। नंदीग्राम के बाद अब कुमारगंज और आसनसोल दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में भारी तनाव देखा जा रहा है। कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुभेंदु सरकार ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के कार्यकर्ताओं पर न केवल हमला करने, बल्कि उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ करने का भी गंभीर आरोप लगाया है।

इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सुरक्षा बल तैनात हैं, लेकिन माहौल अब भी बेहद संवेदनशील बना हुआ है। आइए जानतें हैं कुमारगंज में हमले के बाद सुभेंदु सरकार ने क्या बड़े खुलासे किए हैं? सुभेंदु सरकार ने कहा कि, 'कुमारगंज विधानसभा क्षेत्र में 8-10 मतदान केंद्रों पर हमारे पोलिंग एजेंटों को जबरन हटा दिया गया था। मैंने व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया और सुनिश्चित किया कि उन्हें वापस अंदर जाने दिया जाए। जब मैं जमीनी स्थिति का निरीक्षण करने के लिए बूथ नंबर 24 पर गया, तो उन्होंने मेरी पूरी टीम और मुझ पर हमला कर दिया। वे स्पष्ट रूप से डराने-धमकाने और डर का माहौल बनाने के इरादे में थे... केंद्रीय बल मतदान केंद्र पर ही मौजूद थे - वे परिसर के अंदर थे। लेकिन जब मैं मौके पर पहुंचा, तो मेरे साथ केवल मेरा अंगरक्षक था; हमारे साथ और कोई नहीं था।'

सुभेंदु सरकार ने कहा कि, 'ममता बनर्जी चुनाव हार चुकी हैं, और तृणमूल कांग्रेस इस क्षेत्र की सभी चारों सीटें हार रही है। पूरी तरह से हताशा और डर के कारण, उन्होंने हम पर हमला किया।'

पश्चिम बंगाल के आसनसोल दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर हमला होने की जानकारी मिली है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में दौरे के दौरान उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया, जिससे वहां हड़कंप मच गया।

कोयंबटूर में 'रोबोट' कर रहा वोटर्स का स्वागत, हाथ जोड़कर बोला- वोट जरूर डालें

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए 23 अप्रैल को हो रहे मतदान के बीच कोयंबटूर से तकनीक और लोकतंत्र के संगम की एक बेहद दिलचस्प तस्वीर सामने आई है। यहां

के गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज में बने मतदान केंद्र पर मतदाताओं का स्वागत कोई इंसान नहीं, बल्कि एक 'रोबोट' कर रहा है।

यह रोबोट न केवल लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित कर रहा है, बल्कि कतार में खड़े वोटरों का मुंह भी मीठा करा रहा है।

इस्लामाबाद में लगा लॉकडाउन, शांति वार्ता के लिये स्कूल-ऑफिस-कारखाने सब बंद, जनता दे रही मुनीर को गालियां

(जीएनएस)।

अपनी राजनीतिक हसरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार और आर्मी चीफ आसिम मुनीर किसी भी हद तक गिर सकते हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। पिछले 10 दिनों से वे अपनी कूटनीति को सफल दिखाने के लिए इस्लामाबाद की जनता का तेल निकाल रहे हैं। वहीं जनता भी उनकी हरकतों से त्रस्त होकर अब गालियां देने लगी है।

दरअसल इस्लामाबाद में इस समय ऐसा माहौल बना हुआ है जैसे फिर से कोरोना लॉकडाउन लग गया हो, लेकिन इसकी वजह कोई वायरस नहीं है। असल कारण है अमेरिका-ईरान शांति वार्ता, जिसके लिए राजधानी को हाई-सिक्योरिटी जोन में बदल दिया गया है। शहर की सड़कें खाली दिख रही हैं, स्कूल और दुकानें बंद हैं, और सरकारी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने के निर्देश दिए गए हैं। यहां तक की बोर्ड्स के एग्जाम टाल दिए गए और बच्चे अब इंतजार कर रहे हैं।

इस स्थिति का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ा है। कई मजदूरों का काम बंद हो गया है, जबकि कुछ लोग एक ही जगह फंसे हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, और इस वजह से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की यात्रा रद्द होने के बाद शांति वार्ता स्थगित हो गई थी। वजह बताई गई कि ईरान बातचीत में शामिल नहीं हो रहा। इसके बावजूद इस्लामाबाद में सुरक्षा पाबंदियां खत्म नहीं हुईं। रेड जोन में कड़ी सुरक्षा है, सड़कें बंद हैं, और स्कूल-कॉलेज अभी भी बंद पड़े हैं।

'हिंदू लड़कियों को टारगेट करने की जिम्मेदारी, पैसे और जन्नत का लालच', केजीएमयू के 12वीं पास 'डॉक्टर' पर बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

लखनऊ के प्रतिष्ठित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में सनसनीखेज रैकेट का पदार्फाश हुआ है. खुद को डॉक्टर बताने वाला 12वीं पास जालसाज हस्साम अहमद, पैरामेडिकल छात्रों के साथ मिलकर हिंदू लड़कियों को टारगेट कर रहा था. मेडिकल कैंप और फर्जी कॉन्फ्रेंस के बहाने चल रहे इस खेल के तार अब धर्मांतरण से जुड़ रहे हैं.

लखनऊ पुलिस ने केजीएमयू प्रशासन की मदद से जालसाज हस्साम अहमद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. आरोपी खुद को 2017 बैच का केजीएमयू पासआउट डॉक्टर बताकर इंटर्न लड़कियों को झांसे में लेता था. इस नेटवर्क में मोहम्मद फैज और फईक अहमद मंसूरी जैसे सहयोगी शामिल थे, जो लड़कियों को मुस्लिम बहुल इलाकों में मेडिकल कैंप के नाम पर ले जाते थे. 19 अप्रैल को केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने एक कैंप में छापेमारी कर इस

फजीर्वाड़े को पकड़ा. जांच में सामने आया कि आरोपी दिल्ली एम्स में फर्जी कॉन्फ्रेंस का झांसा देकर लड़कियों का शोषण और धर्मांतरण कराने की फिराक में था.

'जन्नत' का लालच और फर्जी संस्था का मायाजाल

आरोपी हस्साम अहमद ने 'कार्डियो सेवा संस्थान' नाम की एक फर्जी संस्था बनाई थी, जिसका फाउंडर फईक अहमद मंसूरी है. इस नेटवर्क में शामिल मोहम्मद फैज को खास तौर पर हिंदू लड़कियों को टारगेट करने की जिम्मेदारी दी गई थी. लड़कियों को जोड़ने के बदले पैसों और 'जन्नत' का हवाला दिया जाता था. आरोपी पहले भी संदिग्ध गतिविधियों के कारण पकड़ा जा चुका है और लड़कियों को बहलाने के आरोप में उसकी पिटाई भी हुई थी.

फर्जी दस्तखत और एम्स के नाम पर धोखाधड़ी

जालसाज ने छात्रों को दिल्ली एम्स में कार्डियो सर्जरी कॉन्फ्रेंस में ले जाने का झांसा दिया था. जब केजीएमयू प्रशासन ने एम्स से संपर्क किया, तो पता चला कि वहां ऐसी कोई कॉन्फ्रेंस नहीं है. बच्चों को दिए गए पत्रों पर डॉ. केके सिंह समेत केजीएमयू के कई जिम्मेदार अधिकारियों के फर्जी दस्तखत थे. केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह के मुताबिक, यह गिरोह पहले लड़कियों को निशाना बनाता था और फिर उनका धर्मांतरण करवाता था.

पुलिस और प्रशासन की पैनी नजर

डॉ. रमीज अहमद की गिरफ्तारी के बाद केजीएमयू ने एक विशेष कमेटी बनाई थी, जिसने इस रैकेट को उजागर किया. पुलिस अब हस्साम अहमद के पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है और केस से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है. अधिकारियों का मानना है कि इस मामले में जल्द ही और भी कई बड़े खुलासे हो सकते हैं. फिलहाल, लखनऊ पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है.

लखनऊ से पश्चिम बंगाल लौट रहे सारे बंगाली, चुनावी समंदर में 'मछली' का बड़ा खेल

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रहने वाले बंगाली समुदाय के लोग इन दिनों सामान बांधकर पश्चिम बंगाल की ओर रवाना हो रहे हैं। वजह है- 23 और 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में वोट डालना। लेकिन इस बार उनकी यात्रा सिर्फ मताधिकार का नहीं, बल्कि एक बड़े सांस्कृतिक-चुनावी मुद्दे का हिस्सा बन गई है 'मछली बनाम शाकाहार'।

लखनऊ के मशहूर भोजनालय में कबाब बनाने वाले शफीकुल और हरि सभा मंदिर के पुजारी तारक नाथ भट्टाचार्य दोनों बंगाल पहुंच चुके हैं। दोनों के बीच दो चीजें कॉमन हैं, बंगाल उनका गृह राज्य है और दोनों 'माछ-भात' के बिना अपना भोजन अधूरा मानते हैं। कैसे बंगाल के इस हाई-वोल्टेज चुनाव में मछली अब सिर्फ थाली का व्यंजन नहीं, बल्कि राजनीतिक हथियार बन गई है।

पश्चिम बंगाल मुख्य रूप से मांसाहारी समाज है। यहां मछली-चावल रोजमर्रा का भोजन है। लेकिन चुनावी मौसम में तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने इसे बड़ा मुद्दा बना दिया। ळटउ का आरोप है कि अगर इखढ सत्ता में आई तो मछली, मांस और अंडे पर पाबंदी लगा देगी।

इस आरोप की धार कुंद करने के लिए इखढ ने अपने नेताओं को सार्वजनिक रूप से मछली और मांस खाते दिखाया। खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 21 अप्रैल को कहा कि अगर प्रधानमंत्री मछली खाना चाहते हैं, तो मैं खुद उनके लिए पकाऊंगी।

लखनऊ के पुजारी तारक नाथ भट्टाचार्य (45 वर्ष) ने ढळक से कहा कि माछ भात-ए बंगाली। बंगाली घरों

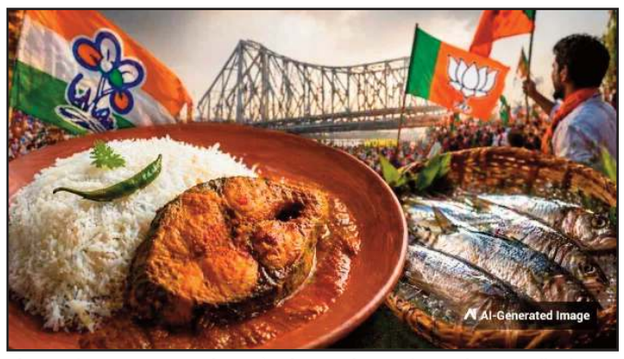

में मछली-चावल मुख्य भोजन है। वे पश्चिम मेदिनीपुर के डेबरा विधानसभा क्षेत्र में वोट डालने गए हैं, जहां 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान है। भट्टाचार्य ने बताया कि 18 साल की उम्र से हर चुनाव में मैं बंगाल जाता हूं। इस बार मुकाबला बहुत कड़ा है। लेकिन 'शाकाहारी बनाम मांसाहारी' वाली बहस मुझे हैरान कर रही है।

लखनऊ से बंगाल तकः रसोइए और पुजारी क्यों लौट रहे हैं?

लखनऊ के मशहूर भोजनालय में कबाब शेफ शफीकुल (मालदा जिले के चंचल विधानसभा क्षेत्र के मतदाता) ने बताया कि लखनऊ और वढ के कई रेस्टोरेंट में बंगाल के रसोइए, हेल्पर और वेटर काम करते हैं। इस बार सभी पार्टियां वोटरों को लाने के लिए हर कोशिश कर रही हैं। शफीकुल के अनुसार, खाने की आदतें भावनात्मक मुद्दा बन गई हैं। जब मुकाबला कड़ा होता है, तो स्विंग वोटर इन्हीं मुद्दों से प्रभावित होते हैं।

लखनऊ के रबींद्रपल्ली में रहने वाले पुजारी सुब्रतो चक्रवर्ती बीरभूम जिले की नानूर सीट पर वोटर हैं। उन्होंने कहा कि मैं वोट डालने घर जा रहा हूं। मेरा भाई सुप्रियो और भाभी तुली भी पहुंच रहे हैं। लालबाग इलाके के रेस्टोरेंट कर्मचारी नजरुल करीम ने दावा किया कि मालदा से लखनऊ आए करीब 50 लोग वोट डालने बंगाल पहुंच चुके हैं। इनमें ताजिमुल हक और अनारुल हक भी शामिल हैं।

क्यों बनी मछली चुनावी मुद्दा?

2024 लोकसभा चुनाव में BJP को 'बाहरी' पार्टी बताया गया था।

इस बार ळटउ ने इसे और आगे बढ़ाया, BJP आएगी तो मछली-मांस बंद।

BJP ने जवाब में नेताओं को मछली खाते दिखाकर काउंटर किया।

शफीकुल ने कहा कि पहले कभी खाने की आदत चुनाव का मुद्दा नहीं बनी थी। इस बार जरूर कोई वजह है। उन्होंने वोटर लिस्ट के SIR का भी जिक्र किया, जिसे लेकर बंगाल में पहले विवाद हुआ था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के 294 सीटों वाले चुनाव दो चरणों (23 और 29 अप्रैल) में होंगे। नतीजे 4 मई को आएंगे। पहले चरण में करीब 3.60 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। इस बार के मुद्दे सिर्फ मछली तक सीमित नहीं, सीमा घुसपैठ, समान नागरिक संहिता (UCC) और विवादित वोटर लिस्ट भी गरमा रहे हैं। लेकिन 'मछली' ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं क्योंकि यह बंगाली पहचान से सीधा जुड़ा है।

खाने की थाली से निकला राजनीतिक स्वाद

लखनऊ से बंगाल लौट रहे बंगाली रसोइए, पुजारी और मजदूर इस बार सिर्फ वोट देने नहीं जा रहे, वे अपनी सांस्कृतिक पहचान को बचाने का संदेश भी दे रहे हैं। 'माछ-भात' अब सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि बंगाल की अस्मिता का प्रतीक बन गया है। ळटउ इसे इखढ के खिलाफ हथियार बना रही है, तो इखढ इसे 'संस्कृति बचाओ' का मुद्दा बता रही है। 23 अप्रैल को पहले चरण का मतदान शुरू होगा। देखना होगा कि मछली की इस थाली वाली बहस स्विंग वोटर को किस तरफ ले जाती है।

भीषण गर्मी में बिजली संकटः लखनऊ के वीवीआईपी इलाके हजरतगंज में भी कटौती से हाहाकार

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ में इन दिनों भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। हालात इतने खराब हैं कि शहर के वीवीआईपी इलाके हजरतगंज में भी बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। लगातार हो रही कटौती से आम जनता से लेकर व्यापारी वर्ग तक सभी परेशान हैं।

गर्मी के साथ बढ़ा बिजली संकट

लखनऊ में तापमान लगातार 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। ऐसे में बिजली की मांग अचानक बढ़ गई है, लेकिन आपूर्ति व्यवस्था उस मांग को पूरा करने में असफल साबित हो रही है। दिन हो या रात, कई इलाकों में घंटों तक बिजली गुल रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

हजरतगंज में भी ठप व्यवस्था

शहर का दिल कहे जाने वाला हजरतगंज, जहां आमतौर पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं, वहां भी बिजली कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया है। यह इलाका मुख्यमंत्री आवास से महज 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, इसके बावजूद यहां बिजली की अनियमित आपूर्ति व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन में कई बार बिजली कट रही है, जिससे न केवल घरेलू काम प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि व्यापार पर भी असर पड़ रहा है।

व्यापारियों पर पड़ रहा असर

हजरतगंज जैसे व्यस्त बाजार में बिजली कटौती का सीधा असर व्यापार पर पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि बिना बिजली के एसी, पंखे और लाइट्स बंद हो जाती हैं, जिससे ग्राहक दुकान में रुकना पसंद नहीं करते। इसके अलावा डिजिटल भुगतान और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं, जिससे कारोबार में गिरावट आ रही है।

रात में नींद पूरी नहीं हो पा रही

पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है

छोटे बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा दिक्कत हो रही है

लोगों का कहना है कि गर्मी के इस मौसम में बिजली की कटौती असहनीय हो गई है।

बिजली विभाग पर उठे सवाल

लगातार हो रही कटौती को लेकर बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में यही समस्या सामने आती है, लेकिन इसके समाधान के लिए कोई स्थायी कदम नहीं उठाया जाता। सूत्रों का मानना है कि बढ़ती आबादी और बिजली की मांग के अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास नहीं हो पा रहा है, जिससे यह समस्या लगातार बनी रहती है।

क्या है कारण

बिजली विभाग के अनुसार, बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की खपत में अचानक वृद्धि हुई है। इसके अलावा कुछ जगहों पर तकनीकी खराबी और ओवरलोडिंग की समस्या भी सामने आई है। हालांकि विभाग का दावा है कि समस्या को जल्द से जल्द ठीक करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

अधिकारियों का कहना है कि बिजली आपूर्ति को सामान्य बनाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। जहां भी तकनीकी समस्या सामने आ रही है, वहां टीमों को तुरंत भेजा जा रहा है। इसके साथ ही अतिरिक्त लोड को संभालने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

समाधान की जरूरत

सूत्रों का कहना है कि केवल अस्थायी उपायों से इस समस्या का समाधान नहीं होगा।

बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ानी होगीट्रांसफार्मर और लाइनें अपग्रेड करनी होंगीस्मार्ट ग्रिड और आधुनिक तकनीक का उपयोग करना होगातभी इस समस्या से स्थायी राहत मिल सकेगी।

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और तपिश का प्रकोप लगातार जारी है। बुधवार को बुंदेलखंड इलाके के साथ ही कई अन्य जिले गर्म हवा और लू के थपेड़ों की चपेट में रहे। बांदा प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा और देश में तीसरे नंबर पर रहा। मौसम विभाग का कहना है कि 25 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज होगी और लू से प्रभावित क्षेत्रों का दायरा बढेगा। फिलहाल अगले दो दिनों तक इस प्रचंड गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

बृहस्पतिवार के लिए यूपी के 22 जिलों में लू की चेतावनी जारी की गई है। बुधवार को बांदा में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं वहीं 43.7 डिग्री के साथ प्रयागराज प्रदेश में दूसरे नंबर पर रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 26 अप्रैल से एक नए विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश भर में बादलों की सक्रियता बढ़ेगी और पश्चिमी यूपी, तराई आदि में बूंदाबांदी से पारे में गिरावट के संकेत हैं।

इन जिलों में लू

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर आजमगढ़, मऊ, बलिया, हरदोई, फरुर्खाबाद, कन्नोज, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी व आस पास के क्षेत्र।

24 और 25 अप्रैल को लखनऊ में चलेगी लू

राजधानी में बुधवार को भी लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। झुलसा देने वाली धूप के साथ दिन में पछुआ हवाओं ने आग में घी का काम किया। अधिकतम तापमान में भी बढ़त दर्ज की गई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ में फिलहाल तीन दिन तक तापमान का बढ़ना जारी रहेगा। 24 व 25 अप्रैल को राजधानी में लू चलने की चेतावनी है। इसके बाद 26 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से बादलों की सक्रियता बढ़ने और थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। बुधवार को अधिकतम तापमान 0.9 डिग्री की बढ़त के साथ 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात का न्यूनतम तापमान 0.9 डिग्री की बढ़त के साथ 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

रा. इण्टर कॉलेज में हुआ जनपद स्तरीय योग ओलिंपियाड का आयोजन

सीतापुर। (जीएनएस)। आज दिनांक 23.04.2026 को राजकीय इण्टर कॉलेज में जनपद स्तरीय योग ओलिंपियाड का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन राजकीय इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य अशोक कुमार ने किया।

इस प्रतियोगिता में जनपद के नौ ब्लॉकों की टीमों ने बालक वर्ग और बालिका वर्ग में प्रतिभाग किया। बालक वर्ग में शिवांशु दीक्षित, सेवाश्रम इण्टर कॉलेज, काजीकमालपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में सोनाली ने प्रथम और रेशमा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दोनों ही बालिकाएं उजागर

लाल इण्टर कॉलेज की छात्राएं हैं। जनपद स्तर पर विजयी खिलाड़ी

मंडलीय योग प्रतियोगिता जिसका आयोजन दिनांक 24.04.2026 को राजकीय इण्टर कॉलेज, निशातगंज, जनपद लखनऊ में किया जाएगा में प्रतिभाग करेंगे।

प्रतियोगिता का संचालन जिला क्रीड़ा सचिव अवधेश नन्दन पाण्डेय ने किया। निर्णायकों के रूप में पवन कुमार, विवेक कुमार शुक्ल, डॉ. निखिल कुमार रस्तोगी, प्रभात नंदन मिश्र, लक्ष्मी और रौनक आदि लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राजकीय इण्टर कॉलेज के उप प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह, फूलचंद्र आदि लोग मौजूद रहे।

स्वच्छता की नई इबारतः महोबा के विद्यालय में छात्राओं के लिए नवनिर्मित पिंक शौचालय का लोकार्पण

(जीएनएस)।

महोबा/श्रीनगर - भारत सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' को धरातल पर उतारते हुए जनपद के विकास खंड कबरई में महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता की एक नई मिसाल पेश की गई है। ग्राम बिलरही के गुप्ता खोढा स्थित कम्पोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए विशेष रूप से निर्मित पृथक शौचालय का लोकार्पण किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत, श्री रोशन लाल, आयुक्त केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय, कानपुर के सराहनीय सहयोग से सार्वजानिक हित में इस आधुनिक सुविधा का निर्माण केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) मंडल-कानपुर देहात द्वारा कराया गया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य

अतिथि रामशंकर (अधीक्षक, CGST रेंज-महोबा) द्वारा माँ शारदे के पूजन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर ग्रामीण परिवेश के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसने उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए अधीक्षक विवेक मिश्र ने बेहद सरल और रोचक शैली में छात्रों । अभिभावकों से संवाद करते हुए उन्हें CGST विभाग की कार्यशैली एवं महत्व बताते हुए, देश के विकास में विभाग का योगदान और सामाजिक दायित्वों के निर्वाहन के विषय में बहुत ही सरल शब्दों समझाया और उन्हें मन लगाकर पढ़ने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि राम शंकर ने अपने संबोधन में विभाग की कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि केंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर विभाग केवल कर संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सरोकारों के तहत सुदूर ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में पेयजल और स्वच्छता की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्राओं के लिए सुरक्षित शौचालय की उपलब्धता से उनके नामांकन और शिक्षा के स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा।

इस गौरवशाली पल के साक्षी मनीष मिश्रा (हवलदार), प्रधानाध्यापक शिवनंदन कुशवाहा, शिक्षक भारती तिवारी, अनिल कुमार निरंजन, रबेन्द्र गौतम के साथ-साथ किसान यूनियन के बृजेंद्र कुमार तिवारी, समाजसेवी शोभित मिश्रा, राजेश गोस्वामी और राजा सेन रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक अनिल रावत ने किया। लोकार्पण के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और अभिभावक उपस्थित रहे, जिन्होंने विभाग की इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की।

जलकर राख हो गया बचपन, सपने अब भी जिंदा, मासूम बोली- मैं पढ़ूंगी

(जीएनएस)।

लखनऊ, लखनऊ के विकास नगर की झुग्गी बस्ती में आग ने कई परिवार तबाह कर दिए। अब वहां आग की लपटें भले ही न हों पर जला हुआ सामान अब भी उस भयावह रात की गवाही दे रहा है।

लखनऊ के विकासनगर की उस झुग्गी बस्ती में अब आग की लपटें नहीं हैं, लेकिन हर तरफ बिखरी राख और जले हुए सामान अब भी उस भयावह रात की गवाही दे रहे हैं। हवा में घुली जलेपन की गंध के बीच जब सुबह की धूप उतरती है, तो खंडहर बने आशियानों के बीच खेलते बच्चों की आंखों में डर, दर्द और उम्मीद तीनों एक साथ दिखाई देते हैं। यही वे बच्चे हैं, जिनके हाथों में कभी किताबें और सपने थे, लेकिन आज वही हाथ राख के ढेर में अपना भविष्य तलाशते नजर आते हैं।

सात वर्षीय राधा और नौ साल की कालिंदी अपनी मां सुमित्रा देवी के साथ जले हुए घर के सामने बैठकर पढ़ाई करने की कोशिश कर रही थीं। उनकी पुरानी किताबें और कॉपियां आग में जल चुकी हैं, लेकिन किसी अनजान मददगार ने उन्हें नई कॉपियां और बैग दे दिए। राधा मासूमियत से

अपनी कॉपी दिखाते हुए कहती है कि ये मेरी नई हिंदी की कॉपी है... मैं पढ़ूंगी... उसकी आवाज में दर्द से ज्यादा दृढ़ता झलकती है।

पास बैठी मां सुमित्रा देवी की आंखें भर आती हैं। वह कहती हैं, घर तो फिर बन जाएगा, लेकिन पढ़ाई छूट गई तो सब खत्म हो जाएगा। पांच साल पहले पति की मौत के बाद से वह घरों में काम कर किसी तरह बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं।

कुछ दूरी पर नौ साल की परी अपनी सहेली सात साल की शगुन के साथ खड़ी है। वह बिना पूछे ही धीमे स्वर में कहती है, मेरा गुड़िया वाला डिब्बा भी जल गया... और फिर चुप हो जाती है। शायद उसे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि उसका बचपन यूं राख में बदल गया।

बस्ती में कई बच्चे हैं, जो अब खेलते नहीं, बल्कि चुपचाप अपने माता-पिता को देखते रहते हैं। माता-पिता बांस और तिरपाल के सहारे फिर से छत खड़ी करने में जुटे हैं, जबकि कुछ कुछ बच्चे भी उनके साथ हाथ बंटा रहे हैं। हालात ने उन्हें वक्त से पहले बड़ा बना दिया है।

अग्निकांड की जांच होगी, 13 मई तक मांगी रिपोर्ट

वहीं, हाईकोर्ट ने विकास नगर में 15 अप्रैल को हुए अग्निकांड मामले में लोक निर्माण विभाग की जमीन पर अतिक्रमण होने के मुद्दे पर विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को जांच करने का आदेश दिया है। उन्हें अपना रुख भी बताना होगा। कोर्ट ने प्रदेश के राहत आयुक्त को भी मामले में जांच करने का निर्देश दिया है। साथ ही पक्षकार अफसरों को घटना का विवरण, कारण, राहत के उपायों के ब्योरे के साथ 13 मई तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

सीतापुर में हाईटेंशन तार गिरने लगभग दस बीघा पेड़ी गन्ने की फसल जलकर खाक

(जीएनएस)।

सीतापुर जिले के खैराबाद ब्लॉक स्थित खैरमपुर भिमरी गांव में हाईटेंशन बिजली का तार गिरने से किसान राम सिंह यादव की लगभग दस बीघा गन्ने की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई। इस घटना में खेत में बिछी 500 फुट पानी की पाइप भी जल गई।

यह घटना मोहर सिंह यादव तथा श्रीराम यादव (पूर्व प्रधान)के खेत से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के तार के अत्यधिक नीचे लटकने के कारण हुई। तार इतना नीचे था कि उसे हाथ से छुआ जा सकता था। तार गिरने से निकली चिंगारी ने तुरंत गन्ने की फसल को अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगने की सूचना पर ग्रामीण सोनू, मोनू, पंकज, श्रीराम प्रधान और विपिन सहित कई अन्य लोग मौके पर

पहुंचे। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यदि समय रहते आग न बुझाई जाती, तो लगभग 15-20 बीघा गन्ने की फसल जल सकती थी, जिससे किसानों को और अधिक नुकसान होता।

ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने बिजली विभाग के कर्मचारी ओमप्रकाश से कई बार इन लटके हुए तारों की शिकायत की थी, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि इन लटके तारों से कभी भी कोई बड़ी जनहानि हो सकती है।

किसान राम सिंह यादव ने घटना की सूचना लेखपाल प्रीति पाल को दे दी है, जो इसे उच्च अधिकारियों तक पहुंचाएंगी। किसान ने प्रशासन से अपनी जली हुई फसल और पाइप के लिए उचित मुआवजे की मांग की है। जिससे किसान गन्ने की बुवाई पुनः कर सके।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

मौजूदा दौर में बड़ा सवाल आखिर होर्मुज पर किसका राज है और आगे किसका राज चलेगा?

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले करीब 50 दिनों से जारी तनाव के कारण शांति वार्ता खटाई में पड़ती दिख रही है। इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान मध्यस्थ की भूमिका में सक्रिय बना हुआ है। होर्मुज की ताजा तनातनी को देखते हुए पाकिस्तानी मध्यस्थता टीम वापस इस्लामाबाद लौट चुकी है। पाकिस्तान में पहले दौर की शांति वार्ता के बाद अमेरिका ने होर्मुज का ब्लॉकेड लागू कर दिया है। वहीं ईरान ने इसे अपनी संप्राभुता पर हमला बताया है। समुद्र में ईरानी जहाजों तक को भी रोका जा रहा है और तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। दुनिया की नजर अब इस पर है कि इस टकराव का अगला कदम क्या होगा? सवाल यह भी है कि आखिर होर्मुज पर किसका राज है और आगे किसका राज चलेगा? ईरान और अमेरिका के बीच लगभग 40 दिनों तक भीषण युद्ध चला। इसके बाद बड़ी मुश्किल से सीजफायर का ऐलान किया गया और इस्लामाबाद में शांति वार्ता बुलाई गई। लेकिन यह बातचीत बेनतीजा रही। बातचीत पेल होने का सबसे बड़ा कारण होर्मुज रहा। होर्मुज पर किसका दबदबा रहेगा इसका पैसला नहीं हो सका। फिलहाल तो शांति वार्ता के बाद ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज पर कब्जे को लेकर सस्पेंस की आग धधक रही है। अमेरिका और ईरान आमने-सामने खड़े हैं। दुनिया में तेल के इस अहम रास्ते पर किसका कब्जा है, किसके हाथ में है? सवाल हर किसी को परेशान कर रहा है। दोनों खेमे अपने-अपने दावों पर अड़े हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्ती ने माहौल और गरमा दिया है। कई देशों की अर्थव्यवस्था इसी रास्ते पर टिकी हुई है। बता दें कि दुनिया की आधी से ज्यादा तेल सप्लाई इसी रास्ते पर निर्भर है। एक छोटी सी गलती भी ग्लोबल इकॉनामी को हिला सकती है। अमेरिका का ब्लॉकेड कितना कारगर साबित हो रहा है? या ईरान की धमकी में दम है? सस्पेंस हर घंटे बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को ईरानी जहाज को अमेरिका ने होर्मुज से वापस लौटाया है इसके बाद तनाव चरम सीमा पर पहुंच गया है। सीजफायर के बावजूद अमेरिका की इस हरकत से ईरान का गुस्सा सातवें आसमान पर है। ईरान ने अमेरिका को जवाबी कार्रवाई की सख्त चेतावनी दी है। डर इसका है कि युद्ध विराम जो 23 अप्रैल को खत्म हो रहा है वह आगे बढ़ेगा या नहीं? होर्मुज के बंद होने से अब यह टकराव सिर्प दो देशों का नहीं रहा। इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। तेल बाजार में उथल-पुथल है, शिपिग वंपनियां सतर्व हो गई हैं। हर देश चाहता है कि यह अहम रास्ता खुला रहे। लेकिन जमीन और समुद्र पर चल रही रणनीतिक चालें इस रास्ते को सबसे बड़ा फ्लैश पाइंट बना रहा है। ट्रंप ने रायटर्स को दिए एक और बयान में दावा किया कि ब्लॉकेड पूरी तरह लागू है और ईरान अब सामान्य व्यापार नहीं कर पा रहा है। सेटकॉम के अनुसार अब तक 10 जहाजों को वापस भेजा जा चुका है। इस बीच खबर यह भी आई है कि पाकिस्तानी सेना प्रामुख आसिम मुनीर ने ट्रंप को सुझाव दिया है कि अगर शांति वार्ता आगे बढ़ानी है तो होर्मुज से ब्लॉकेड समाप्त करना होगा। कहा जा रहा है कि ट्रंप ने कहा— मैं विचार करूंगा।

' टीएमसी के भ्रष्टाचार-गुंडागर्दी का सूरज डूब गया'

वोटिंग खत्म होने के बाद अमित शाह की पोस्ट से मची हलचल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का पहले चरण का मतदान 23 अपैल को संपन्न हो गया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 91.35% फीसदी बंपर वोटिंग हुई। गुरुवार को संपन्न हुआ मतदान भारी संख्या में मतदाताओं की भागीदारी के बावजूद हिंसक और विवादों से भरा रहा।

राज्य के विभिन्न हिस्सों से आगजनी, मारपीट और तोड़फोड़ के गंभीर मामले सामने आए, जिससे चुनावी माहौल तनावपूर्ण हो गया। मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, सिलीगुड़ी और मालदा जैसे क्षेत्रों में जमकर बवाल देखने को मिला। हिंसक घटनाओं के बीच बंगाल में पहले चरण की वोटिंग समाप्त होने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट लिखी, जिसने सबका ध्यान खींचा है।

अमित शाह ने एक सूर्यास्त की फोटो शेयर कर अंग्रेजी और बंग्ला में लिखा 'TMC के भ्रष्टाचार-गुंडागर्दी का सूरज डूब गया',

'सरकार बनते ही "दीदी के गुंडों" को बख्शा नहीं जाएगा'

इसके साथ ही अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में अपने चुनावी अभियान के दौरान तृणमूल कांग्रेस (TMC) के समर्थकों को कड़ी चेतावनी दी है। पूर्वी बर्दवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2 मई को भाजपा की सरकार बनते ही "दीदी के गुंडों" को बख्शा नहीं जाएगा। यह चेतावनी राज्य में बढ़ती राजनीतिक हिंसा के मद्देनजर दी गई थी, और रैली तीसरे चरण के मतदान से पहले आयोजित की गई थी।

"टीएमसी के गुंडों ने 130 भाजपा कार्यकताओं की हत्या की है"

गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने 130 से अधिक भाजपा कार्यकताओं की हत्या की है और उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने ऐलान किया, "2 मई को भाजपा की सरकार बनने के बाद, सभी गुंडों को पाताल से भी ढूंढकर कानून के तहत जेल भेजा जाएगा।" शाह ने भाजपा कार्यकताओं से अपील की कि वे तीसरे चरण के मतदान के दौरान टीएमसी समर्थकों द्वारा मतदान केंद्रों पर बाधा डालने पर भयभीत न हों।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में हुई ये घटनाएं

मुर्शिदाबाद के नौदा में हुमायूं

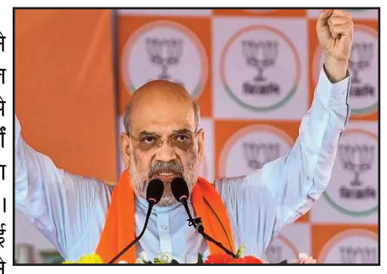

कबीर के काफिले पर लाठी और ईंटों से हमला हुआ।

टीएमसी और एजेयूपी कार्यकताओं के बीच झड़प के बाद कबीर ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

कूचबिहार के तूफानगंज में मतदान के दौरान भारी भीड़ से तनाव बढ़ गया।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल ने लाठीचार्ज कर स्थिति को नियंत्रित किया।

दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार पर हमला हुआ।

उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी समर्थकों ने पुलिस की मौजूदगी में मारपीट की।

मालदा के मोथाबाड़ी में ईवीएम खराबी के बाद मतदाता भड़क गए।

गुस्साए लोगों ने चुनाव अधिकारी को घेरकर बंधक बना लिया और हाथापाई की।

हरिश्चंद्रपुर में तृणमूल कांग्रेस के दो गुट आपस में भिड़ गए।

मंत्री ताजमुल हुसैन के गांव में पार्टी कैंप कार्यालय में तोड़फोड़ की गई।

टीएमसी नेता स्वपन अली ने मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने दावा किया कि मंत्री और उनके समर्थक कांग्रेस के साथ मिलकर हमला करवा रहे थे।

सिलीगुड़ी के एक बूथ पर टीएमसी और भाजपा कार्यकताओं में झड़प हुई।

मौके पर मौजूद शंकर घोष के बीच उअढऋने हालात संभाले।

आसनसोल उत्तर से मलय घटक ने बाहरी लोगों के आने का आरोप लगाया।

उन्होंने गुजरात, मध्य प्रदेश और बिहार से लोगों को लाने के सबूत देने की बात कही।

'बंगाल में एसआईआर के विरोध में बंपर वोटिंग, ये टीएमसी की जीत का संकेत', बोलीं सीएम ममता, शाह पर लगाया गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण ने सियासी पारे को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। एक तरफ जहां रिकॉर्ड तोड़ मतदान हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ ममता बनर्जी और पीएम मोदी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वोटिंग के बाद कहा है कि बंगाल की जनता ने रक्फक के विरोध में बंपर वोटिंग की है।

सीएम ममता बनर्जी ने पहले चरण में हुई भारी वोटिंग को अपनी पार्टी के पक्ष में बताया और इसे जनता के गुस्से और विरोध का संकेत कहा है। इधर केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा है कि, 'TMC के भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी का सूरज डूब चुका है।' बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 89.93% मतदान हुआ है। (चुनाव आयोग के आंकड़े शाम 5 बजे तक हैं)

ममता का शाह पर तीखा हमला: 'कोलकाता में बैठकर अफसरों को धमका रहे हैं'

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दीदी का कहना है कि अमित शाह मतदान के दिन कोलकाता में डेरा डाले हुए हैं और वहां बैठकर अधिकारियों को डराने-धमकाने का काम कर रहे हैं।

ममता ने सवाल उठाया कि जब चुनाव चल रहे हैं, तो केंद्रीय एजेंसियों का इस तरह इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है?

ममता बनर्जी के मुताबिक, बीजेपी के पास बूथों पर खड़ा करने के लिए एजेंट तक नहीं हैं, इसीलिए वे सरकारी मशीनरी और एजेंसियों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बंगाल में जो 89.93% की बंपर वोटिंग हुई है, वह दरअसल केंद्र की नीतियों और SIR के विरोध में जनता का गुस्सा है। दीदी ने तंज कसते हुए पूछा कि अगर चुनाव निष्पक्ष हैं, तो बीजेपी अभी से जीत के दावे कैसे कर रही है? क्या उन्होंने ईवीएम (EVM) में कुछ फिक्सिंग कर रखी है?

पीएम मोदी का पलटवार: 'झालमुड़ी मैंने खाई, पर मिर्ची TMC को लगी'

दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कृष्णानगर की रैली में ममता बनर्जी पर अपने अंदाज में पलटवार किया। पीएम ने अपने हालिया 'झालमुड़ी' ब्रेक का जिक्र करते हुए कहा, "झालमुड़ी मैंने खाई, लेकिन उसकी झाल (मिर्ची) टीएमसी को लगी है।" पीएम ने दावा किया कि बंगाल की जनता टीएमसी के 'महा जंगलराज' और घुसपैठियों को संरक्षण देने वाली नीति से तंग आ चुकी है।

पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि 4 मई को जब नतीजे आएंगे, तो बंगाल में जीत का जश्न होगा। उन्होंने वादा किया कि जीत के बाद न केवल मिठाइयां बंटेंगी, बल्कि झालमुड़ी भी खिलाई जाएगी। पीएम ने मतुआ और नामशूद्र समुदाय को गारंटी दी कि बीजेपी की सरकार बनते ही उअअ के तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी और उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है।

CAA और शरणार्थी समुदाय पर बड़ा संदेश

पीएम मोदी ने चुनावी मंच से मतुआ और नमशूद्र समुदाय को संदेश देते हुए कहा कि अगर BJP सरकार बनती है, तो नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के तहत नागरिकता प्रक्रिया तेज की जाएगी।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि शरण लेने वाले परिवारों को अधिकार और सुरक्षा दी जाएगी। यह बयान बंगाल की राजनीति में खास महत्व रखता है क्योंकि राज्य में शरणार्थी समुदाय चुनावी रूप से प्रभावशाली माना जाता है।

चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण: क्या कहते हैं पहले फेज के नंबर?

पहले चरण में 294 सीटों में से 152 सीटों पर मतदान हुआ है। लगभग 90 प्रतिशत के करीब हुई इस वोटिंग को लेकर दोनों ही पार्टियां अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। ममता बनर्जी इसे बीजेपी के खिलाफ जनादेश मान रही हैं, तो वहीं मोदी इसे टीएमसी के कुशासन के अंत की शुरूआत बता रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इतनी भारी संख्या में मतदाताओं का निकलना अक्सर बड़े बदलाव का संकेत होता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ज्यादा मतदान हमेशा किसी एक दल के पक्ष में नहीं जाता। कई बार यह सत्ता विरोधी माहौल का संकेत होता है, तो कई बार मजबूत संगठन भी ज्यादा वोटिंग निकालने में सफल रहता है।

ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि उन्हें किसी पद का मोह नहीं है, उनका एकमात्र लक्ष्य केंद्र से बीजेपी की विदाई है। फिलहाल, दीदी भवानीपुर में रोड शो कर दूसरे फेज की तैयारी में जुट गई हैं।

'लखनऊ के इकाना की पिच पर्थ के वाका जैसी', एलएसजी के हेड कोच जस्टिन लैंगर का बयान वायरल

(जीएनएस)।

लखनऊ सुपर जायंट्स के हेड कोच जस्टिन लैंगर ने इकाना की पिच को लेकर हैरान करने वाला बयान दिया है. यहां जानें उन्होंने क्या कुछ कहा.

लखनऊ के इकाना की पिच हमेशा से सवालों के घेरे में रही है. पिछले सीजन कई मैचों में यहां रन बनने लगे थे, लेकिन एक बार फिर अब इस पिच पर सवाल उठने लगे हैं. अब यहां की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के हेड कोच जस्टिन लैंगर ने हैरान करने वाला बयान दिया है. उन्होंने लखनऊ के इकाना की पिच को पर्थ के वाका जैसी बताया है.

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने अपने घरेलू मैदान पर अब तक खेले गए तीनों मैच हारे हैं. दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उसे यहां हार का सामना करना पड़ा जबकि बुधवार को राजस्थान रॉयल्स ने उसे 40 रन से हराया.

पिछले सीजन में भी एलएसजी ने

यहां खेले गए आठ मैचों में से छह मैच हारे थे. इस तरह से उसने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में जीत हासिल की है.

लैंगर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "यहां की पिच भारत के दूसरे स्थानों की पिच से बहुत अलग है. यह क्रिकेट के लिए शानदार पिच है. यहां आपको गति और उछाल दोनों देखने को मिलते हैं। हम अभी तक इससे सामंजस्य नहीं बिठा पाए हैं. हम इस पिच पर अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, लेकिन हमारे बल्लेबाज इससे मिलने वाली अतिरिक्त गति और उछाल से तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं. हमारे बल्लेबाज कई बार शॉर्ट पिच गेंदों पर आउट हुए."

लैंगर ने आगे कहा, "भारत में हमने कई ऐसी पिचें देखी हैं जहां गेंद अधिक उछाल नहीं लेती है, लेकिन यह पिच वाका की पिच की तरह है. यहां गेंद को अच्छी गति और उछाल मिलती है. यहां आपको वाकई दिलचस्प क्रिकेट देखने को मिल रहा है. हमारी बल्लेबाजी लाइनअप को देखते हुए सीजन की शुरूआत में किसी ने भी यह नहीं सोचा होगा कि हमारे बल्लेबाज लय हासिल नहीं कर पाएंगे. हमने इसकी कल्पना भी नहीं की थी और इसलिए हम इस पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं "

कप्तान ऋषभ पंत, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के टी20 कप्तान एडन मार्करम और निकोलस पूरन जैसे धाकड़ बल्लेबाजों की मौजूदगी के बावजूद एलएसजी की टीम अपने घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने के लिए संघर्ष कर रही है. उसने अब तक यहां तीन मैच में 141 रन, 164 रन और 119 रन ही बनाए हैं.

इकाना में लखनऊ की लगातार सातवीं हार, नाम किया यह शर्मनाक रिकॉर्ड, इस टीम ने घर पर हारे हैं सबसे ज्यादा मैच

(जीएनएस)।

लखनऊ सुपर जायंट्स का अपने घरेलू मैदान पर प्रदर्शन इस सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। राजस्थान रॉयल्स के हाथों मिली यह हार उनके घरेलू मैदान पर इस सीजन की लगातार तीसरी हार है। इसके साथ ही एकाना स्टेडियम में लखनऊ की यह लगातार सातवीं हार है। IPL 2026: इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 का 32वां मैच लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और राजस्थान रॉयल्स (RR) के बीच लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रनों के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

लखनऊ की एकाना में लगातार 7वीं हार

लखनऊ सुपर जायंट्स का अपने घरेलू मैदान पर प्रदर्शन इस सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। राजस्थान रॉयल्स के हाथों मिली यह हार उनके घरेलू मैदान पर इस सीजन की लगातार तीसरी हार है। इसके साथ ही एकाना स्टेडियम में लखनऊ की यह लगातार सातवीं हार है।

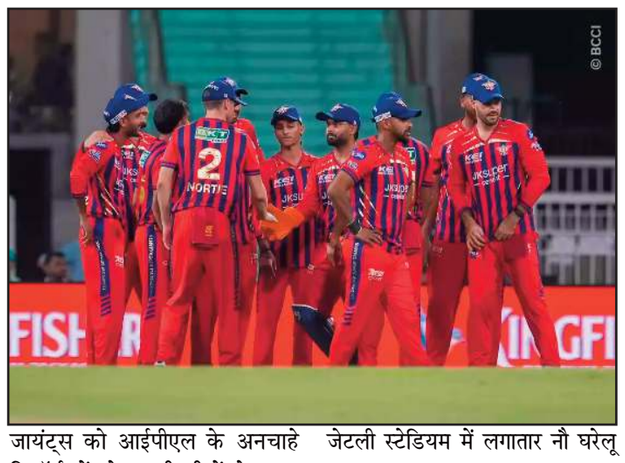

इस हार ने लखनऊ सुपर जायंट्स को आईपीएल के अनचाहे रिकॉर्ड में दो पुरानी टीमों के साथ बराबरी कर दी है। डेक्कन चार्जर्स ने हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में लगातार सात घरेलू मैच गंवाए थे। इसी तरह पुणे वॉरियर्स इंडिया ने भी अपने पुणे के घरेलू मैदान पर लगातार सात हार झेली थीं। अब लखनऊ सुपर जायंट्स भी इस अनचाहे क्लब में शामिल हो गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने हार हैं सबसे ज्यादा मैच

हालांकि, घरेलू मैदान पर सबसे लंबे हार के सिलसिले का रिकॉर्ड दिल्ली कैपिटल्स (DC) के नाम है। टीम ने 2013 से 2015 के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में लगातार नौ घरेलू मुकाबले हारे थे, जो आईपीएल इतिहास का सबसे लंबा घरेलू हार का सिलसिला माना जाता है।

लोस्कोरिंग मुकाबले में फफ़ ने 40 रन से जीत दर्ज. की

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी राजस्थान रॉयल्स ने 6 विकेट खोकर 159 रन बनाए थे। जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स 18 ओवरों में महज 119 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ राजस्थान पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर से दूसरे स्थान पर आ गई है। वहीं लगातार चौथा मुकाबला गंवाकर एलएसजी 9वें स्थान पर पहुंच गई है।

लखनऊ की हार से प्लेऑफ की उम्मीदें टूटीं, राजस्थान की टीम जीत के साथ दूसरे नंबर पर

इस वीडियो में लखनऊ और राजस्थान के बीच हुए मुकाबले का विश्लेषण किया गया है। लखनऊ की टीम के खराब प्रदर्शन और लगातार हार के कारण उनके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। टीम के कप्तान का खराब फॉर्म और जल्दी आउट होना पूरी टीम के मनोबल को गिरा रहा है, जिससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गई है। दूसरी ओर, राजस्थान की टीम ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की है और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। हालांकि, राजस्थान की जीत के बावजूद उनके मध्यक्रम की कमजोरी उजागर हुई है। टीम पूरी तरह से अपने शीर्ष क्रम के युवा बल्लेबाजों पर निर्भर है, जबकि मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज लगातार फ्लॉप हो रहे हैं। राजस्थान की गेंदबाजी बेहद मजबूत है, जो उन्हें कम स्कोर वाले मैचों में भी जीत दिला रही है, लेकिन बल्लेबाजी में सुधार की सख्त जरूरत है।

प्रवेश वाही - जो होंगे दिल्ली के मेयर! डिप्टी मेयर के लिए मोनिका पंत का नाम

(जीएनएस)।

दिल्ली नगर निगम चुनाव को लेकर लंबे समय से चल रहा इंतजार अब खत्म हो चुका है। लंबे इंतजार और कयासों के बाद, भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। महापौर पद के लिए पार्टी ने वरिष्ठ पार्षद प्रवेश वाही को उम्मीदवार बनाया है, जो रोहिणी ई (वार्ड संख्या 53) से पार्षद हैं। वहीं, उप-महापौर पद के लिए आनन्द विहार (वार्ड संख्या 206) से पार्षद मोनिका पंत के नाम की घोषणा की गई है।

इसके बाद दिल्ली की सियासत में चर्चा तेज हो गई है कि क्या अब प्रवेश वाही का मेयर बनना लगभग तय माना जाए। खास बात यह है कि आम आदमी पार्टी (अअढ) की रणनीति, बीजेपी की संख्या और नगर निगम की मौजूदा स्थिति इस चुनाव को बेहद दिलचस्प बना रही है।

बीजेपी ने स्थायी समिति के पदों के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा की है। जय भगवान यादव (बेगमपुर, वार्ड 27) को सदस्य स्थायी समिति एवं नेता सदन के लिए और मनीष चड्ढा (पहाड़गंज, वार्ड 82) को सदस्य स्थायी समिति के लिए उम्मीदवार बनाया गया है।

प्रवेश वाही

दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र से आने वाले प्रवेश वाही लंबे समय से स्थानीय राजनीति में सक्रिय माने जाते हैं। बीजेपी ने उन्हें 53-रोहिणी ई वार्ड से पार्षद के रूप में आगे बढ़ाया है। बताया जाता है कि वह तीसरी बार पार्षद बने हैं। इससे पहले वह 2007 से 2012 के बीच भी पार्षद रह चुके हैं और फिर 2022 में दोबारा चुनाव जीतकर निगम राजनीति में लौटे।

प्रवेश वाही की राजनीतिक यात्रा स्थानीय स्तर से शुरू हुई। उनकी पहचान संगठनात्मक कार्यकर्ता और क्षेत्रीय स्तर पर सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में रही है। परिवार की पृष्ठभूमि भी संघर्ष से जुड़ी रही है। बताया जाता है कि उनके पिता पाकिस्तान से भारत आए थे। पहले परिवार कश्मीर में रहा और बाद में दिल्ली में बस गया। यही वजह है कि वाही की कहानी को राजनीतिक गलियारों में एक सामाजिक संघर्ष और जमीनी राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

क्यों चुना प्रवेश वाही?

दिल्ली में मेयर चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं होता। यह नगर निगम के प्रशासन, विकास योजनाओं और राजनीतिक संदेश से भी जुड़ा होता है। बीजेपी ने प्रवेश वाही को उम्मीदवार बनाकर एक ऐसा चेहरा सामने रखा है जो लंबे समय से निगम राजनीति को समझता है।

पार्टी के भीतर माना जा रहा है कि वाही का अनुभव और संगठन में पकड़ उन्हें मजबूत उम्मीदवार बनाती है। साथ ही, रोहिणी जैसे इलाके से आने वाले नेता को आगे लाना उत्तर-पश्चिम दिल्ली के वोटर आधार को भी संदेश देने की रणनीति माना जा रहा है।

डिप्टी मेयर के लिए मोनिका पंत पर भरोसा

महापौर के साथ बीजेपी ने उप-महापौर पद के लिए मोनिका पंत के नाम की भी घोषणा की है। मोनिका पंत 206-आनंद विहार वार्ड से पार्षद हैं। पार्टी ने उन्हें डिप्टी मेयर पद के लिए उम्मीदवार बनाकर पूर्वी दिल्ली क्षेत्र को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की है। बीजेपी की सूची में केवल मेयर और डिप्टी मेयर ही नहीं, बल्कि स्थायी समिति और नेता सदन के नाम भी शामिल किए गए हैं।

बीजेपी की घोषित सूची

महापौर प्रवेश वाही` वार्ड 53 रोहिणी ई

उप-महापौर मोनिका पंत` वार्ड 206 आनंद विहार

स्थायी समिति सदस्य और नेता सदनः जय भगवान यादव` वार्ड 27 बेगमपुर

स्थायी समिति सदस्यः मनीष चड्ढा` वार्ड 82 पहाड़गंज

यह सूची बीजेपी की नगर निगम रणनीति को भी दिखाती है, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व देने की कोशिश दिखाई देती है।

'AAP' की रणनीतिः क्या वाकई मैदान छोड़ दिया है?

मेयर चुनाव में सबसे बड़ा मोड़ आम आदमी पार्टी (AAP) के रुख ने ला दिया है। बुधवार को 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने यह कहकर सबको चौंका दिया कि पार्टी इस बार मेयर चुनाव नहीं लड़ेगी। भारद्वाज ने कहा कि वे भाजपा को दिल्ली में काम करने का एक और मौका दे रहे हैं ताकि जनता के सामने उनकी "नाकामी" पूरी तरह उजागर हो सके।

भारद्वाज ने दावा किया कि पिछले एक साल में जब भाजपा के पास सभी संसाधन और जिम्मेदारियां थीं, तब भी वे दिल्ली में कोई बड़ा बदलाव लाने में असफल रहे। उन्होंने केंद्र सरकार, एलजी और मेयर जैसे पदों पर भाजपा के नियंत्रण का जिक्र करते हुए कहा कि समस्याएं आज भी वैसी ही बनी हुई हैं। यह 'आप' की एक सोची-समझती राजनीतिक रणनीति मानी जा रही है, जहां वे भाजपा को काम करने का "बहाना" न देकर सीधे जनता की अदालत में खड़ा करना चाहते हैं।

नामांकन का आखिरी दिन और चुनाव की तारीख

नगर निगम में महापौर, उप-महापौर और स्थायी समिति सदस्य के लिए नामांकन की अंतिम तारीख तय की गई है। नामांकन का आखिरी दिन बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि इसी से यह साफ होगा कि मुकाबला सीधा होगा या निर्विरोध स्थिति बन सकती है।

चुनाव की प्रक्रिया अप्रैल के अंतिम सप्ताह में पूरी होगी। निगम सचिव कार्यालय की ओर से जारी नोटिस के अनुसार चुनाव 26 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे। बैठक अरुणा आसफ अली सभागार में होगी, जहां मेयर और डिप्टी मेयर के लिए मतदान होगा।

दिल्ली मेयर चुनाव इतना अहम क्यों है?

दिल्ली का मेयर पद केवल एक सम्मानजनक राजनीतिक कुर्सी नहीं है। नगर निगम का प्रशासन, सफाई व्यवस्था, पार्क, सड़कों की मरम्मत, स्थानीय विकास और बजट जैसे कई फैसले इसी व्यवस्था से जुड़े होते हैं। राजधानी में मेयर की भूमिका हर साल बदलती रहती है। दिल्ली में मेयर का कार्यकाल एक साल का होता है।

लखनऊ में पृथ्वी दिवस पर दो दिवसीय आयोजनःपर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों को जागरूक किया

(जीएनएस)।

लखनऊ में पृथ्वी दिवस इस वर्ष मात्र एक औपचारिकता न होकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक सशक्त संदेश बन गया। आंचलिक विज्ञान नगरी में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम ने छात्रों और शिक्षकों में नई जागरूकता उत्पन्न की। इस पहल में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (ठअरक), लखनऊ चैप्टर का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

इस दो दिवसीय आयोजन में 1500 से अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम विशेष बन गया। प्रत्येक गतिविधि में बच्चों का उत्साह स्पष्ट रूप से देखा गया। इसका मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाना था।

प्रतियोगिता और फिल्म प्रदर्शन का आयोजन किया

कार्यक्रम के पहले दिन, क्विज प्रतियोगिता और फिल्म प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरलता से समझाया गया। फिल्मों और प्रश्नोत्तर सत्रों ने छात्रों को पृथ्वी के संरक्षण में अपनी भूमिका पर विचार करने के लिए प्रेरित किया।

पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को सरल भाषा में समझाया

दूसरे दिन,पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता और एक विज्ञान व्याख्यान ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाया। डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव ने 'हमारी शक्ति, हमारी पृथ्वीः मिशन छक्क्ष्ठ का महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को सरल भाषा में समझाया और लखनऊ में बढ़ती गर्मी तथा समय से पहले स्कूलों के बंद होने जैसी स्थितियों के पीछे के कारणों पर प्रकाश डाला।

व्यावहारिक उपाय भी साझा किए

डॉ. श्रीवास्तव ने प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग, माइक्रोप्लास्टिक के खतरों और सिंगल-यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वनीकरण और सतत जीवनशैली अपनाने के लिए व्यावहारिक उपाय भी साझा किए। व्याख्यान के दौरान छात्रों ने अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए कई प्रश्न पूछे।

ला मार्टिनियर कॉलेज में अखिल भारतीय पोस्टर प्रतियोगिता जीवन का वृक्ष के शहरी चरण का आयोजन

(जीएनएस)।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर INTACH लखनऊ चैप्टर द्वारा बीते बुधवार को अखिल भारतीय पोस्टर प्रतियोगिता जीवन का वृक्ष के शहरी चरण का आयोजन ला मार्टिनियर कॉलेज में किया गया. इस आयोजन का उद्देश्य कक्षा 7 से 9 तक के छात्रों में भारत की समृद्ध प्राकृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना तथा रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था. कार्यक्रम में शहर के विभिन्न प्रमुख विद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से कराया गया अवगत

कार्यक्रम की शुरूआत प्रकृति एवं विरासत भ्रमण से हुई, जिसका नेतृत्व जाने-माने विशेषज्ञ मोहम्मद अहसन (पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक उत्तर प्रदेश) तथा ए.के. श्रीवास्तव (रेलवे के पूर्व एजीएम एवं लखनऊ के प्रसिद्ध इतिहासकार) ने किया. इस दौरान छात्रों को प्रकृति, पेड़-पौधों और पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराया गया. मोहम्मद अहसन ने अपने संबोधन में कहा, "पृथ्वी को सुरक्षित रखने के लिए हर नागरिक को जिम्मेदारी निभानी होगी. उन्होंने विद्यार्थियों से पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने और जैव विविधता बचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया."

प्रमुख विद्यालयों के छात्रों ने की भागीदारी

भ्रमण के बाद पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें शहर भर के प्रमुख विद्यालयों के छात्रों ने भागीदारी की. इनमें सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल की विभिन्न शाखाएं, आर्मी पब्लिक स्कूल, स्टडी हॉल स्कूल, लखनऊ पब्लिक कॉलेज, राजकुमार अकादमी, मॉडर्न अकादमी, विद्यास्थली कनार इंटर कॉलेज, जागृति लोरेटो विद्यालय, होर्नर कॉलेज और ला मार्टिनियर कॉलेज सहित कई संस्थान शामिल रहे. प्रतियोगिता में लगभग 85 छात्रों ने हिस्सा लिया.

छात्रों ने प्रस्तुत किया शानदार चित्रांकन

छात्रों ने अपने पोस्टरों में क्षेत्र के मूल पेड़ों और झाड़ियों को केंद्र में रखते हुए शानदार चित्रांकन प्रस्तुत किया. किसी ने पत्तियों और फूलों की संरचना दिखाई तो किसी ने फलों, छाल और उनसे जुड़े जीव-जंतुओं का चित्रण किया. कई पोस्टरों में पक्षियों, तितलियों, मधुमक्खियों और अन्य जीवों के माध्यम से प्रकृति के संतुलन को दशार्या गया. हर पोस्टर के साथ प्रभावशाली नारे भी लिखे गए, जिनमें पर्यावरण बचाने का संदेश प्रमुखता से उभरा.

200 शब्दों का लेख प्रस्तुत

विशेष बात यह रही कि प्रत्येक प्रतिभागी ने अपने पोस्टर के साथ 200 शब्दों का लेख भी प्रस्तुत किया. इसमें संबंधित पौधे की विशेषताएं, उपयोगिता, पारिस्थितिक महत्व और संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी गई. इससे विद्यार्थियों में शोध, लेखन और जागरूकता का समन्वय देखने को मिला. प्रतियोगिता के पोस्टरों का मूल्यांकन अब अखिल भारतीय स्तर पर किया जाएगा. इसमें 100 क्षेत्रीय विजेताओं और 10 राष्ट्रीय विजेताओं की घोषणा बाद में की जाएगी.

अज्ञात कारणों के चलते लगी आग, लगभग 30 बीघा गेहूं की फसल जलकर हुई राख

(जीएनएस)।

हसनगंज तहसील क्षेत्र के सुंदरपुर गांव के पास गुरुवार दोपहर लगभग 12 बजे खेतों में गेहूं की कटी हुई फसल के अवशेषों में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और फैलते हुए पास के फिरोजाबाद व झलोतर गांव के खेतों तक पहुंच गई। खेतों से उठती ऊंची लपटों को देखकर आसपास के किसानों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

किसानों के अनुसार दमकल विभाग की गाड़ी करीब दो घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, जिससे आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जा सका। आग इतनी तेजी से फैली कि लगभग 30 बीघा में खड़ी गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया और करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

इस भीषण अग्निकांड में फिरोजाबाद गाँव निवासी किसान नजमुल, निहाल, लल्लू, चुन्नू, निजामुद्दीन, निशामुद्दीन, इम्तियाज, अफाक, शाहिद, शकीर, रफीक, राजू, रहीस, मुस्तकीम और बीनू की फसल को भारी नुकसान हुआ है। अचानक हुई इस घटना से किसानों को लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही किसानों ने तहसीलदार को सूचित किया। तहसीलदार अविनाश चौधरी ने बताया कि लेखपाल विकास चौरसिया को मौके पर भेजकर जली हुई फसल का आकलन कराया जा रहा है। लेखपाल के अनुसार इब्राहिमपुर सहित आसपास के गांवों में भी नुकसान का सर्वे जारी है। रिपोर्ट मिलने के बाद प्रशासन द्वारा आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्पेनिश गर्लफ्रैंड संग प्राइवेट जेट में मौज उड़ा रहा ईरानी राजदूत का बेटा

(जीएनएस)।

ईरान तकरीबन दो महीने से अमेरिका और इजरायल की तरफ से छेड़ी गई जंग से जूझ रहा है। ज्यादातर टॉप लीडर्स और कमांडर्स मारे गए हैं, पूरा देश जिंदा रहने और खाने के लिए संघर्ष कर रहा है लेकिन इसी बीच एक राजनयिक के बेटे की अय्याशी का वीडियो वायरल हो जाता है। जिसमें वह इस्लामिक मूल्यों को ताक पर रख अपने गर्लफ्रैंड संग खुलेआम गुलछर्रे उड़ा रहा है।

वेनेजुएला में राजदूत थे पिता

दरअसल ईरान के एक पूर्व राजनयिक के बेटे साशा सोभानी ने अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल दिखाकर सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। हाल ही में वह मंगलवार को अपनी गर्लफ्रेंड के साथ एक प्राइवेट जेट से इबीसा के लिए रवाना हुए, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर साशा सोभानी के पिता अहमद सोभानी, वेनेजुएला में ईरान के पूर्व राजदूत रह चुके हैं।

इबीसा ट्रिप का वीडियो बना चर्चा का विषय

सोभानी को इबीसा 2026 के ओपनिंग वीकेंड का जश्न मनाने के लिए प्राइवेट जेट में चढ़ते हुए रिकॉर्ड किया गया। 38 साल के साशा ने अपनी स्पेनिश मॉडल गर्लफ्रेंड लॉरा नीमास को ङ्क२२ करने के बाद जेट के अंदर सोफे पर आराम करते हुए कहा, "इन सभी ब्लेसिंग्स के लिए भगवान का शुक्र है।" उन्होंने अपनी इस लग्जरी ट्रिप की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर भी शेयर कीं।

ईरान में गंभीर आरोप, फिर भी विदेश में आलीशान जिंदगी

साशा सोभानी पर ईरान में मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध जुआ वेबसाइट चलाने के आरोप हैं और वह वहां वांछित (हंल्लङ्गी) बताए जाते हैं।

सोशल मीडिया पर ग्लैमर, पार्टी और सुपरकार्स का शो

सोभानी अक्सर खुद को कम कपड़ों वाली महिलाओं, शराब और महंगी स्पोर्ट्स कारों के बीच दिखाते हैं। वह खुले तौर पर अपनी दौलत और लाइफस्टाइल को सेलिब्रेट करते हैं, खासकर ईरान सरकार की आलोचना करने के बाद। उनका असली नाम साल 2019 में वह स्पेन चले गए थे और तब से लगातार अपनी लग्जरी लाइफ के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर डालते रहते हैं। उनके इंस्टाग्राम पर करीब 4 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जो उनकी हर पोस्ट को वायरल बना देते हैं। मोहम्मद-रेजा बताया जाता है और उन्होंने अपने पिता के दौर में भी बेहद आलीशान जीवन जिया था।

'रिच किड्स ऑफ तेहरान' से मिली पहचान

उनकी इस भव्य लाइफस्टाइल ने उन्हें "रिच किड्स ऑफ तेहरान" जैसे सोशल मीडिया पेज पर भी लोकप्रिय बना दिया, जहां ईरान के अमीर युवाओं की जिंदगी दिखाई जाती है। सोभानी का दावा है कि उनकी लाइफस्टाइल के कारण वह ईरानी शासन के निशाने पर आ गए और उन पर वित्तीय अपराधों के आरोप लगाए गए, जिन्हें वह गलत बताते हैं।

प्रत्यर्पण की मांग और खुद का बचाव

ईरान से भागने के बाद भी सोभानी लगातार सोशल मीडिया पर अपनी लाइफ दिखाते रहते हैं। साल 2021 में जब ईरान ने स्पेन से उनके प्रत्यर्पण की मांग की, तो उन्होंने स्पेनिश अखबार एल मुंडो को इंटरव्यू देते हुए कहा-

"मैं शासन की आलोचना करता हूं, वहां आजादी की कमी है। मैं उन्हें दिखाता हूं कि मैं कैसे जीता हूं और बताता हूं कि वे भी ऐसा जीवन जी सकते हैं।"

लखनऊ नगर निगम सदन की विशेष बैठक में इखढ ने विपक्षी दलों के खिलाफ पारित किया निंदा प्रस्ताव

(जीएनएस)।

लखनऊ। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधयेक के लोकसभा में पास न होने पर गुरुवार को लखनऊ नगर निगम सदन की विशेष बैठक में काफी हंगामा हुआ। विपक्षी पार्षदों ने महापौर सुषमा खर्कवाल को बोलने रोका तो भाजपा पार्षदों ने विपक्ष का विरोध किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधयेक के लोकसभा में पास न होने पर विपक्षी दलों के खिलाफ भाजपा ने निंदा प्रस्ताव पारित किया। सदन की बैठक से विपक्षी पार्षद बैठक छोडकर चले गए। 119 में से 93 पार्षदों ने निंदा प्रस्ताव पर सहमति जताई। इससे पहले विपक्षी पार्षदों ने महापौर खर्कवाल को बोलने रोका तो भाजपा पार्षदों ने विपक्ष का जमकर विरोध किया।

महापौर ने उनके कैंप कार्यालय में हुई घटना पर दुख जताया। सपा पार्षदों ने कहा कि आप ने भी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की मां का अपमान किया है। हंगामे के बीच सपा कांग्रेस पार्षद सदन की बैठक से नारेबाजी करते हुए बाहर चले गए। भाजपा पार्षदों ने महापौर के लिए सुरक्षा घेरा बनाया और भाजपा पार्षदों की मौजूदगी में

सदन की कार्यवाही चलती रही।

वैसे तो सदन की बैठक नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधयेक के लोकसभा में पास न होने पर विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने के लिए बुलाई गई, लेकिन अखिलेश यादव की मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने को लेकर सपा पार्षदों ने महापौर को घेरा। भाजपा के 85 पार्षद और कांग्रेस व सपा के कुल 25 पार्षदों को सदन की बैठक में जवाब देने की तैयारी में थे।

महापौर के घर पर बढ़ाई गई सुरक्षा

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मां को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करने के लगे आरोप के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने महापौर सुषमा खर्कवाल के कैसरबाग में कैंप कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और महापौर की नाम पट्टिका पर चप्पलें मारीं। इसके बाद तो पुलिस सतर्क हो गई है। देर रात महापौर के कैंप कार्यालय पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस व पीएसी के जवानों को तैनात किया गया है।

बुधवार सुबह मेरठ से जुड़े सपा कार्यकर्ता गौरव चौधरी व उसके साथी ने सुबह सात बजे हर पांच मिनट पर नारेबाजी की और नाम पट्टिका पर चप्पलें मारने के साथ ही सुषमा खर्कवाल मुदार्बाद के नारे लगाए थे।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे महिला का अपमान और सपा के चरित्र को बताया था। महापौर ने घटना की जानकारी पुलिस आयुक्त के साथ ही प्रमुख सचिव गृह और डीजीपी को भी भेजी थी और सुरक्षा इंतजाम करने का अनुरोध किया था।

गुरुकुल में मासूम की हत्याः इकलौते बेटे को पढ़ने भेजा था, घर के बाहर शव फेंककर भागे आरोपी, सिगरेट से दागा, शरीर पर मिले 45 निशान

15 अप्रैल को पढ़ाई के लिए लखनऊ गुरुकुल भेजा गया दिव्यांश मात्र कुछ दिनों में ही दर्दनाक घटना का शिकार हो गया। उसके पूरे शरीर पर चोटों के निशान, काले धब्बे और जलने जैसे घाव मिले हैं, जिससे परिवार सदमे में है।

(जीएनएस)।

कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरिया गांव के 11 वर्षीय नाबालिग छात्र दिव्यांश द्विवेदी उर्फ दीपू की लखनऊ स्थित रानानुज भागवत वेद विद्या गुरुकुल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। परिजनों ने गुरुकुल संचालक पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि बच्चे को क्रूर प्रताड़ना दी गई और उसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। दावा ये भी किया जा रहा है कि मासूम के साथ कथित कुकर्म की घटना को भी अंजाम दिया गया है। वहीं दिव्यांश के पूरे शरीर पर चोटों के निशान, काले धब्बे और जलने जैसे घाव मिले हैं, जिससे परिवार सदमे में है।

15 अप्रैल को पढ़ाई के लिए लखनऊ गया था दिव्यांश

परिजनों का कहना है कि 15 अप्रैल को पढ़ाई के लिए लखनऊ भेजा गया दिव्यांश मात्र कुछ दिनों में ही इस दर्दनाक घटना का शिकार हो गया। बुधवार को गुरुकुल के संचालक कन्हैया मिश्रा ने बच्चे के पिता नरेंद्र द्विवेदी उर्फ पप्पू को फोन पर सूचना दी कि दिव्यांश की तबीयत अचानक खराब हो गई है। इसके कुछ घंटों बाद गुरुकुल वाले एक चार

पहिया वाहन से बच्चे को उसके गांव के घर के बाहर छोड़कर चले गए। जब परिवार ने बच्चे को देखा तो उसकी हालत देखकर सब स्तब्ध रह गए। दिव्यांश का शरीर ठंडा पड़ चुका था और पूरे शरीर पर चोटों के निशान साफ दिख रहे थे।

परिजनों ने क्या कहा?

दिव्यांश के चाचा जितेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया, ह्लदिव्यांश के हाथों, पैरों, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई जगह काले निशान और चोटों के घाव थे। यह निशान इतने गहरे थे कि लगता है बच्चे को बुरी तरह पीटा गया और प्रताड़ित किया गया। कुछ निशान तो ऐसे थे जो सिगरेट से जलाए जाने जैसे प्रतीत हो रहे हैं। हमारा साफ मानना है कि दीपू को गुरुकुल में क्रूरता से मारपीट की गई और फिर उसकी हत्या कर दी गई। अगर वह बीमार होता तो इतनी चोटें कैसे लग जातीं ?ह्व

मंगलवार को फोन पर हुई थी बात, बुधवार को मृत अवस्था में मिला

दिव्यांश की बड़ी बहन दीपिका द्विवेदी ने भी भावुक होते हुए बताया, ह्लमंगलवार सुबह मैंने दीपू से फोन पर बात की थी। उस समय वह पूरी तरह स्वस्थ था और किसी तरह की तकलीफ का जिक्र नहीं किया। लेकिन बुधवार को अचानक उसे मृत अवस्था में घर के बाहर छोड़ दिया गया। उसके हाथ-पैर और पीठ पर काले-काले दाग थे। हमें शक है कि गुरुकुल के लोग उसे सिगरेट या किसी गर्म चीज से दागते रहे होंगे। डर के मारे बच्चे ने शायद घरवालों को कुछ बताया नहीं ह्व

परिवार का इकलौता बेटा था दिव्यांश

परिवार के लिए यह घटना और भी दर्दनाक इसलिए है क्योंकि दिव्यांश उनका इकलौते बेटा था। पिता नरेंद्र द्विवेदी एक प्राइवेट फैक्ट्री में काम करते हैं, जबकि मां नीरज द्विवेदी का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। गांववाले भी इस घटना से आक्रोशित हैं और मांग कर रहे हैं कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है। एडीसीपी पूर्वी अंजली विश्वकर्मा और एसीपी चकेरी अभिषेक कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने फोरेंसिक टीम को बुलाकर पूरे स्थल से साक्ष्य एकत्र किए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एडीसीपी अंजली विश्वकर्मा ने कहा, ह्लमामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पोस्टमार्टम पैनल डॉक्टर्स की टीम के साथ और पूरी वीडियोग्राफी कराई जाएगी। हमने विशेष जांच टीम गठित कर दी है। ऋक्रफ दर्ज कराई जा रही है, परिजनों की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी ह्व

मासूम की हत्या से लोगों में गुस्सा

परिजनों ने गुरुकुल संचालक कन्हैया मिश्रा और अन्य संबंधित लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है, ऐसे में महाराजपुर थाने में मुकदमा लिखा जा रहा है, उन्होंने मांग की है कि गुरुकुल की पूरी जांच हो और यदि वहां अन्य बच्चों की भी सुरक्षा को खतरा है तो तुरंत कार्रवाई की जाए। पुलिस की जांच अभी जारी है।

पति पर मारपीट का आरोप, पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर लगाई न्याय की गुहार

अवनीश कुमार/रीडर टाइम्स

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के सिकंदरपुरा निवासी एक महिला ने अपने पति पर मारपीट, उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाना में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता दीपा (25) पत्नी भूपेंद्र अहिरवार ने बताया कि उसकी शादी को करीब चार वर्ष हो चुके हैं और शादी के एक वर्ष बाद से ही पति उसके साथ प्रताड़ना करता आ रहा है। पीड़िता के अनुसार, 10 नवंबर 2025 को सुबह करीब 11 बजे पति ने बिना कारण गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर घर से निकाल दिया। तब से वह अपने मायके जिगनी में रह रही है। महिला ने आरोप लगाया कि पति ने पांच माह से कोई हालचाल नहीं लिया और उसका पूरा जेवर भी अपने पास रखे हुए है। पीड़िता ने यह भी बताया कि उसका पति मायके आकर आत्महत्या कर उसे व मेरे परिजनों को फंसाने की धमकी देता रहता है। मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ब्लॉक समन्वय समिति की बैठक में परिवार नियोजन पर चर्चा, स्टाफ नर्स सम्मानित, विभिन्न विभागों से सहयोग की अपील

(जीएनएस)।

उन्नाव। स्वास्थ्य विभाग की सहयोगी संस्था पीएफआई द्वारा एवं मोबियस फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से गुरुवार को नवाबगंज विकासखंड मुख्यालय में ब्लॉक समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवार नियोजन कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और जन-जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न विभागों से सहयोग की अपील की गई।

बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह ने की। उन्होंने कहा कि प्रसूता और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य व सुरक्षित भविष्य के लिए परिवार नियोजन के साधन अपनाना अत्यंत आवश्यक है। पीएफआई के जिला प्रतिनिधि अब्दुल बासित फारूकी ने परिवार नियोजन से जुड़ी आवश्यकताओं, सामाजिक भ्रांतियों और जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों का समन्वय जरूरी है।

सीएचसी अधीक्षक डॉ सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने कहा कि दंपत्तियों को बच्चों की बेहतर परवरिश और स्वास्थ्य के लिए परिवार नियोजन के साधनों का उपयोग करना चाहिए, जो स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध हैं। परिवार नियोजन अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए मकूर पीएचसी में तैनात स्टाफ नर्स नैना सिंह को एप्रन और बैज पहनाकर सम्मानित किया गया।

बैठक में कंसलटेंट कपिल श्रीवास्तव, एडीओ आरडी मनोज कुमार, वीडीओ शैलेन्द्र भारतीय, राकेश यादव, ब्रांड एंबेसडर रोहित गुप्ता, बीएमएम अलका गुप्ता, बीपीएम मलखान सिंह, एआरओ गौरी गुप्ता, एआरपी मो. हारून सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।